

ओरिएंटल विभागों में 155 साल बाद दिए जाएंगे मेडल

लखनऊ। लविवि के ओरिएंटल विभागों के छात्र-छात्राओं के लिए खुशखबरी है। विभाग की स्थापना के 155 साल बाद पदक देने की शुरुआत होने वाली है। पूर्व छात्र-छात्राओं ने इसके लिए विभाग में संपर्क किया है। लविवि में ज्यादातर पदक प्रायोजित होते हैं। इसके लिए पांच लाख रुपये जमा करने होते हैं। यही वजह है कि लविवि में इस समय कई विभागों में 10 से 14 तक पदक हैं। दूसरी ओर सबसे शुरुआती विभागों में से एक कैनिंग कॉलेज में इस समय कोई पदक नहीं दिया जाता है।

लविवि में ओरिएंटल अरेबिक और पर्शियन विभाग उस समय से हैं जब लविवि का नाम कैनिंग कॉलेज हुआ करता था। इसके बाद समय-समय पर लोगों ने विभिन्न विभागों में पदक शुरू करने के लिए लविवि के

लविवि के शुरुआती विभागों में इस समय नहीं दिया जाता है कोई पदक

पास निर्धारित फीस जमा कराई। पदकों की संख्या को देखते हुए लविवि प्रशासन ने कुछ साल से पदक प्रायोजित करने की राशि पांच लाख रुपये कर दी है। यह राशि जमा करने के बाद इसके ब्याज से हर साल पदक दिया जाता है। ओरिएंटल अरेबिक और पर्शियन विभागों में बीते दिनों हुए सेमिनार में यह बात उठी थी। इसके बाद पूर्व छात्रों ने विभाग में पदक शुरू करने को संपर्क किया है। शिक्षकों ने बताया कि इस समय कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका में लविवि बंद चल रहा है।